<u>इ?पात समाचार</u>

23 से 29 अ?ैल, 2016

<u>सरकार ने एनएमडीसी म?10% ?टेक की बि?ी के लिए बोलियॉ आमं?ित कीं</u>

सरकार ने मरचट बक?र? से 10% ?टेक की एनएमडीसी म?बि?ी के लिए शु?वार को बोलियॉ आमं?ित कीं, जो लगभग ?. 3,000 करोड़ सं?ह कर सकती है, पीटीआई ने सूचित किया । यह भारत के सबसे बड़े आयरन ओर उ?पादक म??टेक की बि?ी की ?यव?था करने के लिए चार बक?र? को चुनगे। बोलियॉ जमा करने की आखिरी तारीख है 16 मई ।

?ोत : दि फाइनसियल ए?स?स, 23 अ?ैल, 2016

<u>?टील एमआईपी रो : उ?योग निकाय उ?चतम ?यायालय म?मूव किया</u>

दि इंडियन ?टील एसोसिएशन (आईएसए) ने शु?वार को उ?चतम ?यायालय म?एक पिटिशन मूव किया, जिसम?आयरन तथा ?टील के उ?पाद?के लिए ?यूनतम आयात मू?य (एमआईपी) तय करने की के?? की अधिसूचना की वैधता को चुनौती देने वाले विभि?न पिटिशन?के ?थाना?तरण की मॉग की गई है। चीन, जापान, कोरिया एवं ?स जैसे देश?से अ??याशित कीमत?पर बढ़ते हुए आयात पर अंकुश लगाने के उ??य से सरकार ने 5 फरवरी को इ?पात के 173 उ?पाद?के ऊपर छ: महीन?के लिए $341 से $752 ?ति टन के बीच एमआईपी लगा दिया था । इस कदम से घरेलू ?ाथमिक ?टील उ?पादकगण काफी लाभा?वित हुए थे। सेके??ी ?टील उ?पादक?ने इसपर नाराजगी जाहिर की है, ?य?कि उनका क?चा माल मँहगा हो गया था । भारत के पास लगभग 110 मिलियन टन ?ति वष?की इ?पात ?मता है । यह एकमा? बाजार ह?जहॉ ?टील की मॉग 7.3% की दर से बढ़ रही है, जबकि इसके वि?? चीन म? नकारा?मक वृ?ि -3.5% थी । ज?िटस ए के सिकरी के नेतृ?व म?एक बच ने इस मसले को सुनवाई के लिए 12 मई की तारीख दज?की है । यह उसके बाद आई है जब इ?पात मं?ालय ने भी इसी?कार का एक पिटिशन फाईल किया है, जिसम?विभि?न पिटिशन?को पंजाब एवं हरियाणा, हिमाचल ?देश एवं दिल्ली उ?च ?यायालय से ?थानांतरित करने की मॉग गई गई है। आईएसए, जिसके सद?य?म??मुख कंपनियॉ भी शामिल ह?जैसे जेएसड??यू ?टील, ए?सार ?टील, सेल तथा अ?य, ने एपे?स कोट?को कहा कि चीन एवं कोरिया जैसे विभि?न देश?के ?वारा, जो भारत को इ?पात का नियात करते ह?अपनाई गई अ??याशित ?ाइसिंग मेकनि?म के कारण उ?योग भीषण आथिक दबाव म?घूम रहा है।

?ोत : दि फाइनसियल ए?स?स, 23 अ?ैल, 2016

<u>चीन का माच?का ?टील का उ?पादन इसका दूसरा सबसे बड़ा</u>

वै?िवक मंदी के बीच, चीन ने इस वष?माच?म?अपना सेके?ड सव??च मासिक इ?पात का उ?पादन 70.65 मिट किया । 71.16 मिट के साथ अब तक का सव??च उ?पादन दुनिया के सबसे बड़े उ?पादक का मई 2014 म?था, ऐसा वि?व इ?पात एसोसिएशन ?वारा संकलित किये गये ऑकड़?के अनुसार उ?घाटित हुआ है । जब से यह अपने सव??च उ?पादन पर पहुँचा है, सबसे कम मासिक उ?पादन इस वष?फरवरी म?

58.51 मिट था। जनवरी, 2016 म? चीन ने 62.55 मिट इ?पात का उ?पादन किया । चालू वष?के दोन? महीन? म? चायनीज उ?पादन पिछले वष?के उसी महीने की तुलना म?कम था। तथापि, माच?म?पिछले वष?उसी महीने के ऊपर 2.9% की इसने वृ?? दज?की । वै?िवक इ?पात उ?योग भीषण दबाव के अ?तगत? च?कर खा रहा है, खासकर चीन से अ??याशित कीमत? पर नियात? के कारण। दुनिया का सबसे बड़ा उ?पादक को भी अपने ?वयं के निमाण? ?? ?वारा खराब ऑफटेक के अनुसरण म?उ?पादन म?कटौती करने के लिए बा?य होना पड़ा ।

?ोत : दि फाइनिसयल ए?स?स, 23 अ?ैल, 2016

<u>भारत का आयरन ओर का उ?पादन वष?2020 तक 199 मिट को छू लेगा</u>

भारत का आयरन ओर का उ?पादन 2016-2020 के दौरान 5% की वाषि? वृ?? होने की आशा है और 2020 तक यह 198.8 मिट को छू लेगा, बीएमआई रिसच?ने शु? वार को कहा । अनुसंधान फम?ने कहा कि वै?िवक ?तर पर आयरन ओर का बाजार भवि?यवाणी अवधि 2020 तक सर?लस म?रहेगा। ?ाजील एवं आ??लिया म?आउटपुट का वि?तार तथा चीन म?कम इ?पात की मॉग वै?िवक ओवरस?लाई का संचालक बना रहेगा। भारत का खनन ?? ठोस वृ?? का अनुभव करेगा, जो मु?य ?प से देश के सकारा?मक सुधार? एवं विशाल खनिज भ?डार? ?वारा बढ़ावा दिया है, बीएमआई रिसच?ने एक बयान म? कहा ।

?ोत : दि फाइनिसयल ए?स?स, 23 अ?ैल,2016

<u>वि?लेषक? ने चीन के इ?पात माक?ट बूम पर चेताया</u>

चीन के आई-पॉपिंग ?टील रैली के बाद चेतावनियॉ तेजी से ?टैकिंग हो रही ह?। फिच रेटिं?स ने कहा कि उ?च अनुमान के ?वारा आंशिक ?प म?बढ़ी हुई कीमत? को नीचे आना पड़ा, जबकि सिंगापुर अवि?थत एक बक? ने इ?िवटी बाजार के बूम-ब?ट साइकिल यादगार को जोखिम बताया है। तेजी से ऐडवांस ?ो?साहनयो?य नहीं है, फिच ने कहा ।

?ोत :दि इकोनॉमिक टाइ?स, 26 अ?ैल, 2016

<u>वे?सपन इंडिया का चौथी तिमाही का शु? लाभ 20% बढ़कर ? 193.29 करोड़ हुआ</u>

टे?सटाईल फम?वे?सपन इंडिया ने सोमवार को सूचित किया कि 31 माच? 2015-16 को समा?त चौथी तिमाही म?उसका एकीकृत शु? लाभ 19.77% बढ़कर ? 193.29 करोड़ हो गया है । फम?ने 2014-15 की जनवरी-माच?तिमाही के लिए ? 161.38 करोड़ का एकीकृत शु? लाभ सूचित किया है। कंपनी की शु? बि?ी भी 19.14 ?तिशत बढ़कर ? 1,459.47 करोड़ समी?ाधीन तिमाही के दौरान हुई है, जबकि इसके वि?? गत वि?त वष?की उसी अवधि म?यह ? 1,224.96 करोड़ थी । आने वाले वष? म?हमारा ?यान ?ेड तथा अभिनव उ?पाद? के जरिये घरेलू बाजार से राज?व और लाभ बढ़ाने पर होगा, वे?सपन समूह के अ?य बी के गोयनका ने कहा ।

?ोत :दि फाइनिसयल ए?स?स, 26 अ?ैल, 2016

इ?पात का आयात 2015-16 म?26% बढ़कर 12 मिट हुआ

इ?पात का आयात 25.6 ?तिशत बढ़कर 11.71 मिलियन टन वष?2015-16 म?हुआ, जबकि इसकी तुलना म?2014-15 म?यह 9.32 मिट था । इ?पात रा?य मं?ी वि?णुदेव साई ने लोक सभा म?कहा कि वि?त वष?16 म?तैयार इ?पात का आयात था 11.71 मिट (अ?थायी) । गत वि?त वष?म?तैयार इ?पात का घरेलू उ?पादन घटकर 90.39 मिट (अ?थायी), वष?2014-15 म?92.16 मिट के ऊपर, साई ने कहा । मं?ी महोदय ने आगे कहा कि ?वालिटी कं?ोल ऑडर? जारी करने के बाद सेके??स एवं दोषपूण?उ?पाद? का आयात कुछ बेइमान आयातक? ?वारा इ?पात उ?पाद? की कुछ ?णिय? के स?ब?ध म?सूचित किया गया था ।

?ोत : दि फाइनसियल ए?स?स,26 अ?ैल, 2016

इंडियन ?टील एसोसिएशन ने उ?चतम ?यायालय म?मूव किया

दि इंडियन ?टील एसोसिएशन ने शु?वार को उ?चतम ?यायालय म?मूव किया, जिसम?मॉग की गई है कि सरकार ?वारा फरवरी 2016 म?अधिसूचित इ?पात पर ?यूनतम आयात मू?य से संबंधित विभि?न उ?च ?यायालय? म?लंबित सम?त मामल? को एक? और ?थानांतरित किया जाय । यह मूव लिटीगेशन की म?टी?लीसिटी को रोकने के लिए था, जिससे विभि?न उ?च ?यायालय? के ?वारा मामलेपर विरोधाभासी निणय? हो सकता है । एमआईपी को दि?ली, पंजाब एवं हरियाणा तथा हिमाचल ?देश म?बहु उ?च ?यायालय? म?चुनौती दी गई है।

?ोत :बिजनेश ?टडड?, 26 अ?ैल, 2016

जिंदल सा डिबचर परिवतन

जिंदल सा ने 1.52 करोड़ के शेयर अपने ?वतक फोर सीज?स इनवे?टमे?ट को ? 81.10 ??येक की कीमत पर अनिवाय?परिवतनशील डिबचर? के परिवतन पर आवंटित किया, ऐसा कंपनी ने सोमवार को ए?सचज को बताया । कंपनी ने ? 81.10 ??येक की दर पर 4.35 करोड़ शेयर फोर सीइज?स को 5 दिस?बर, 2014 को ?फरशियल आधार पर पहले ही आवंटित कर दिया है । जिंदल सा के शेयर 2.5 ?तिशत गिरकर ? 44.15 पर एनएसई पर समा?त हुए ।

?ोत : बिजनेश लाइन, 26 अ?ैल, 2016

इले??ो?टील ने डालमिया की दिलच?पी आकषित की

डालमिया भारत समूह ने इले??ो?टील ?टी?स म??टेक खरीदने म?दिलच?पी दिखाई है, इससे वाकिफ तीन बक? ने एफई को बताया । उ?ह?ने यह भी बताया कि फ?ट?इ?टरनेशनल ?प (फिग), जिसकी नजर बीमार ?टीलनिमाता के ?टेक म?थी, ने अपना ऑफर वापस ले लिया है । विवरण का खुलाशा किये बगैर एक सीनियर बकर ने कहा कि डालमिया का ??ताव लंदन अवि?थत फिग ?वारा किये गये ऑफर जैसा ही है, जिसने ? 2,500 करोड़ के ऋण की माफी तथा ? 5,000 करोड़ के करीब रकम का क?युलेटिव रीडीमेबल ?फेरस शेयर? म?परिवतन चाही थी। माच? 2015 की समाि?त पर इले??ो?टील लेनदार? से ? 10,235 करोड़ का ऋण लिया था। लेनदार यह ?यास कर रहे ह?कि नुकसान म?चलने वाली कंपनी को

पुनर्जीवित किया जाय, नए ?वतक के ?वारा । पिछले वष,? उ?ह?ने ??टेजिक डे?ट री???चरिंग (एसडीआर) योजना के अ?तगत ? 2,507.57 करोड़ का ऋण इ?विटी म?परिवर्तित करने का नि?चय किया था । इस बीच भारतीय रिजव?बक के एसेट ?वालिटी रि?यू के अधीन निदश? के अनुसरण म?बक? ने पहले ही ए?सपोजर को नॉन-परफॉमिंग एसेट के ?प म?वग?कृत किया है।

?ोत : दि फाइनसियल ए?स?स,27 अ?ैल, 2016

<u>?टील एमआईपी समूचे छ: महीने की अवधि के लिए बरकरार रहेगी</u>

बढ़ते हुए आयात पर अंकुश लगाने के लिए फरवरी के शु? म?लगाया गया ?टील पर ?युनतम आयात मू?य (एमआईपी) समूचे छ: महीने की अवधि के लिए वैध रहेगा, ?य?कि घरेलू उ?योग की सम? मौजूदा ि?थति, य?यपि सुधरी है, पर?तु ?यापार राहत उपाय के पूव?रिप?व आहरण को समथन नहीं दे रही है, इ?पात उ?योग के एक ?ोत ने कहा । सरकार ने 173 इ?पात उ?पाद? पर $341 से $752 ?ति टन के बीच छ: महीने के लिए एमआईपी लगाई थी, ताकि चीन, जापान, कोरिया तथा ?स जैसे देश? से बढ़ते हुए आयात से घरेलू उ?योग को बचाया जा सके । इसकी उ?मीद काफी ?ीण है कि इसे समय से पहले वापस ले लिया जायेगा, जिसकी अवधि जुलाई म?समा?त हो रही है, दूसरे अधिकारी ने कहा । इ?पात की कीमत? फरवरी से दुनिया भर म?बढ़ी ह?तथा वै?विक ?ख के साथ तालमेल रखते हुए घरेलू फम? ने भी अपने उ?पाद? की कीमत?बढ़ा दी ह? आयात भी बहुत कुछ अपरिहाय?बना हुआ है। ?वाइ?ट ?ला?ट कमिटी (जेपीसी) के अनुसार,जो कि इ?पात मं?ालय के अधीन एक यूनिट है, आयात इस वष?माच?म?0.997 मिलियन टन था, जबकि इसकी तुलना म?यह पिछले वष?0.84 मिट था, इस?कार 18.2% की वृ?ि दज? की। इस वष?फरवरी म?भारत ने 0.912 मिलियन टन इ?पात का आयात किया था ।

?ोत: दि फाइनसियल ए?स?स,27 अ?ैल, 2016

<u>निवेशक? ने इस वष?की ?टील रैली पर चेतावनी दी है</u>

?या जेएसड??यू ?टील, टाटा ?टील तथा सेल जैसी भारतीय इ?पात कंपनिय? के शेयर? म?रैली सहनीय है । जेएसड??यू ?टील, टाटा ?टील तथा सेल के शेयर 20-40% फरवरी से बढ़े ह? भारत सरकार ?वारा ?टील के लिए ?यूनतम आयात मू?य लागू करने तथा चायनीज इ?पात की कीमत?तेजी से मजबूत होने के बाद । इससे इ?पात उ?पादक? को अगले दो तिमाहिय? के लिए अ?छी आय दज?करने म? मदद मिलेगी। चायनीज इ?पात की कीमत? म?हालिया वृ?ि अ?थायी हो सकती है। कम व?तु-सूचियॉ, अ?थायी बंदी तथा मौसमी मॉग पिछले दो महीन? के ऊपर इ?पात की कीमत? के बढ़ने के ?ाथमिक कारण थे । फरवरी से, चीन म?इ?पात की कीमत?50% बढ़ी ह? पर?तु मॉग वष?के बाकी बचे समय के लिए ि?थर नहीं रह सकती है । पिछला ?ख दशाता है कि इ?पात की मॉग चायनीज नए वष?के आस-पास बढ़ती ह? री?टॉकिंग के कारण । इस वष? व?तुसूचियॉ बहु-वष? म?कम है । इसने कीमत? को बढ़ाया है, जिससे उ?पादन बढ़ा है। भारतीय इ?पात के ?लेयर एमआईपी के लाभ जोड़ सकते थे। फरवरी म?एमआईपी के लागू होने के बाद से चायनीज इ?पात की कीमत?45% के करीब बढ़ी ह?तथा भारतीय इ?पात की कीमत? 25%, जिससे भारतीय इ?पात की कीमत?औसतन आयातित ?टील की लडेड लागत की अपे?ा 6% स?ती ह?। पर?तु, एमआईपी एकमा? अ?थायी उपाय है, जिसे ए?टी डंपिंग ?यूटी के साथ बदल दिया जायेगा ।

?ोत : दि इकोनॉमिक टाइ?स, 27 अ?ैल, 2016

इ?पात आयात पर डयूटी के लिए भारत को ड??यूओ म?विरोध का सामना करना पड़ा

कुछ इ?पात के आइटम? पर ?यूनतम आयात मू?य लागू करने के भारत के हालिया निणय का जापान, ईयू, कोरिया, आ??लिया तथा कनाड़ा ने वि?व ?यापार संगठन म?विरोध किया है, जिनम?से सभी ने यह आरोप लगाया है कि यह म?टी लैटरल ?ड नियम? के वि?? है । इन देश? ने हाल म?इ?पात पर भारत ?वारा लगाई गई सेफगाड??यूटी की भी आलोचना की। जबकि भारत को इन शिकायत? पर औपचारिक ?प से अभी जवाब देना है, एक वाणि?य मं?ालय के अधिकारी ने बिजनेश लाइन को बताया कि ?यूनतम आयात मू?य (एमआईपी) एक अ?पकालीन उपाय था और आम तौर पर इसे हटा लिया जाता, जैसे ही आयात घट जाता है। इ?पात उ?योग म?दुनिया भर म?ओवर कैपेसिटी है। कई देश धातु के आयात को रोकने के लिए ?तिरोधा?मक उपाय अपना रहे ह?। भारत म?इ?पात आयात म?तेज वृ?ि के कारण के?? ने स?ते आयात पर अंकुश लगाने के लिए एक अ?थायी उपाय के ?प म?(अधिकतम छ: महीन? के लिए) एमआईपी लागू करने को उचित समझा, अधिकारी ने कहा । ड??यूटीओ के हाल के गु?स काउ?सिल मीटिंग म?जापान एवं ईयू ने भी भारत ?वारा पिछले वष?हॉट रो?ड ?लैट इ?पात के उ?पाद? के आयात पर लगाई गई सेफगाड?ड्यूटी (बढ़ते हुए आयात के वि?? घरेलू उ?योग को बचाने के लिए पैनल आयात ?यूटी) पर चि?ता ?य?त की है ।

जबकि घरेलू इ?पात उ?योग स?ते आयात के वि?? के?? ?वारा उनके बचाव के लिए लगाई गई ?यूटी से खुश ह?, इ?तेमालकता?उ?योग, जिनम?इंजीनियरिंग उ?पाद? के उ?पादक शामिल ह?, चि?ता जताई है ।

?ोत : बिजनेश लाइन,27 अ?ैल, 2016

एमआईपी अधिसूचना जनहित म?है: उ?च ?यायालय

दि?ली उ?च ?यायालय ने मंगलवार को कहा कि 5 फरवरी को जारी की गई के?? की अधिसूचना, जिसम? छ: महीने के लिए विशि?ट आयरन एवं ?टील के उ?पाद? पर ?यूनतम आयात मू?य (एमआईपी) लागू किया गया था, वह घरेलू बाजार को ि?थरता ?दान करने के लिए जनहित म?है। मु?य ?यायधीश जी रोहिनी तथा ?यायधीश जय?त नाथ के एक बच ने कहा कि हम ?थम ??टया संतु?ट ह?कि अधिसूचना और कुछ नहीं बि?क सरकार ?वारा लिया गया एक नीतिगत निणय है जो जनहित एवं इ?पात के घरेलू बाजार म?ि?थरता लाने के लिए है। अत: ?तिवादी के व?त?य म?हम जोर पाते ह?कि रिट पिटीशन म? लि?बत अधिसूचना जनहित के वि?? होगा ।

?ोत : दि फाइनसियल ए?स?स, 27 अ?ैल,2016

एनडीएमसी ने 35 वष? बाद दि ललित व ले मेरीडियन का लाइसस शु?क बढ़ा दिया है

35 वष? की अवधि के बाद, ?यु दि?ली ?युनिसिपल कॉप?रेशन (एनडीएमसी) ने दो पंच सितारा होटल? - ले मेरीडियन तथा दि ललित - का लाइसस शु?क बढ़ाने का नि?चय किया है। सिविक बॉडी को हर 33 वष? म?लाइसस शु?क की समी?ा करनी है, लाइसस डीड के अनुसार, जो कि 99 वष? के लिए है। तथापि, वह अवधि माच?, 2014 म?समा?त हो चुकी है। जबकि ले डेरिडियन ?ति वष?? 2.68 करोड़ का भुगतान

करता है, इस होटल को अब ? 3 करोड़ ?तिमाह सिविक बॉडी को देना पड़ेगा। इसी?कार, ललित अभी ? 1.4 करोड़ का भुगतान ?ति वष?करता है, पर?तु अब ? 4.4 करोड़ ?तिमाह अदा करने ह?गे । इस स?ब?ध म?निणय? मंगलवार को एक काउ?सल की बैठक म?लिया गया था। संशोधित लाइसस? शु?क का निणय? दोन? होटल के ?? को देखते हुए लिया गया है । ले मेरीडियन 4.29 एकड़ म?फैला हुआ है, जबकि दि ललित 6.04 एकड़ के भूख?ड पर ।

?ोत : दि फाइनसियल ए?स?स, 28 अ?ैल, 2016

<u>भारतीय ?टेनलेस ?टील बार नियाल?क नवीकृत ईयू टैरिफ का सामना कर सकते ह?</u>

यूरोपियन यूनियन ने भारत से ?टेनलेस ?टील पर नवीकृत टैरिफ की धमकी दी है, यह कहते हुए कि ईयू उ?पादक भारतीय ?तियोगिय? को कम दर के परिणाम?व?प अनुचित ?तियोगिता के जोखिम का सामना कर सकते ह?। यूरोपियन कमीशन ने जॉच शु? कर दी है कि ?या भारतीय ?टेनलेस ?टील बार एवं रॉड पर 4 ?तिशत तक की ?यूटी पुन: लगाई जाय, जिनका उपयोग घरेलू व?तुओं, कार? तथा मेडिकल उपकरण? के लिए किया जाता है। इस ?लॉक ने वष?2011 म?पॉच वष? के लिए इस लेवी को यूरोपियन उ?पादक? की मदद के लिए लगाया था जैसे ऐसरिनॉ?स एसए पर ताकि ?ड-डिसॉटिंग भारतीय सहायता नियाल?क? जैसे मुक?द लि0; का मुकाबला किया जा सके । ?टेनलेस ?टील बार एवं रॉड के भारतीय नियाल?क? ने ईयू बाजार म?अपना संयु?त शेयर 12 महीन? म?11.8% माच?2010 से 10.4% वष?2007 म? ?लॉक ने कहा जब वह लेबी को लागू कर रहा था । इसने कहा कि भारत के विदेश ?यापार अधिनियम के आधार पर तीन सहायता काय?म तथा देश के बकिंग रेगुलेशन ए?ट से एक काय?म अनुचित नियाल? अनुदान लगाया है ।

?ोत : दि फाइनसियल ए?स?स, 28 अ?ैल, 2016

<u>यूएस ?टील आयात को रोकने का ?यास कर रहा है</u>

यूएस ?टील कॉप?रेशन ने सबसे बड़े इ?पात उ?पादक चीन से आयात को रोकने के लिए एक अभियान चालू किया है, इसने मंगलवार को कहा । यह यूएस कंपनी ?वारा दुनिया के सबसे बड़ी इ?पात के उ?पादक ?वारा कीमत?बढ़ाने के खिलाफ एक सबसे बो?ड कदम है। यूएस इंटरनेशनल ?ड कमीशन को एक शिकायत म? यूएस ?टील ने नियामक? को कहा है कि वे दजन? चायनीज उ?पादक? और उनके वितरक? के खिलाफ तथाकथित कीमत? तय करने म? षड़यं?, ?यापार गोपनीयता को चुराना तथा झूठे लेवलिंग के ?वारा ?यूटी म?धोखाधड़ी की जॉच कर?। वि?लेषक? ने कहा कि यह इस सदी की तिमाही म? यूएस ?टील ?यापार म?एक सबसे मह?वपूण??गति हो सकती है तथा चीन एवं ?मुख इ?पात उ?पादक देश? के बीच तनाव को कम होने की संभावना है।

?ोत : दि फाइनसियल ए?स?स, 28 अ?ैल, 2016

चीन ?ति दिन 41 मिलियन गॉठ ?ई का ?यापार करता है यह सिफ? धातु ही नहीं है, जिसे चीन म?प?य बुखार पकड़ा है। पिछले स?ताह झ?झुहू कमोडिटी ए?सचज? पर एक दिन म?41 मिलियन गॉठ ?ई का ?यापार किया गया है, जो कि पॉच वष? से अधिक समय म?सबसे अधिक है तथा लगभग 9 बिलियन जोड़ी जी?स बनाने के लिए काफी है ।

?ोत : दि इकोनॉमिक टाइ?स, 28 अ?ैल, 2016

वि?त वष?16 म?इ?पात उ?पादन म?मि?ित त?वीर

कठिन बाजार की ि?थितिय? ने रा??ीय इ?पात निगम लि (आरआईएनएल), जेएसड??यू ?टील तथा जिंदल ?टील ए?ड पावर (जेएसपीएल) के लिए वष?2015-16 म?? मता उपयोग म?गिरावट देखी है। टाटा ?टील, ए?सार ?टील तथा सरकारी ?वामि?व म??टील अथारिटी ऑफ इंडिया ने तथापि कुल ? मता व वा?तवित उ?पादन के अनुपात म?सुधार देखा है। सरकारी ऑंकड़? के अनुसार, ?? म?भारत के सबसे बड़े निजी उ?पादक जेएसड??यू ?टील का ? मता उपयोग 2014-15 म?90 ?तिशत से गिरकर 2015-16 म?76 ?तिशत हो गया है। कंपनी के पास 16.6 मिलियन टन की काय?? मता है और 12.6 मिट का उ?पादन किया । आरआईएनएल भी सरकारी ?वामित्व म?? मता उपयोग म?2014-15 म?113 ?तिशत से 2015-2016 म?58 ?तिशत गिरावट हुई है। यह मु?य ?प से काय? मता म?बड़े ?तर पर हुई बढ़ो?तरी मिट 2014-15 म?2.9 से वष?2015-16 म?6.3 मिट, के कारण है, जिसका सही ढंग से उपयोग करने म?यह असफल रहा । जेएसपीएल का ? मता उपयोग 2014-15 म?89 ?तिशत से घटकर 2015-16 म?79 ?तिशत रह गया। जबकि उ?पादन ? मता दोन? वष? म?वही चार मिट बनी हुई है, उ?पादन वष?2014-15 म?355 मिट से घटकर 2015-16 म?3.17 मिट हो गया ।

?ोत: बिजनेश ?टड्डड? 29 अ?ैल,2016

गोवा म?आयरन ओर की ई-नीलामी

गोवा सरकार की आयरन ओर की ई-नीलामी को बहुत खराब ?तिसाद मिला, ?य?कि सिफ?25 ?तिशत ही बोली के दौरान उठाया गया, जितना बि?ी के लिए रखा गया था । हमने रा?य म?विभि?न ?थान? पर 21 लाख टन आयरन ओर चि?नित किया है, जिसम?से 5.46 टन कल बेचा गया था, जिससे लगभग ? 44.41 करोड़ बोली मू?य ?ा?त हुआ, ?स?न आचाय? निदेशक, माइ?स ए?ड जिओलॉजी, गोवा ने कहा ।

?ोत : बिजनेश लाइन,29 अ?ैल,2016

टुकड़? म?बिजनेश को नहीं बेचग?: टाटा ?टील ि?टिश एमपी को

टाटा ?टील संभावित खरीदार? को टुकड़? म? अपने यूके ऑपरेश?स को बेचने को इ?छुक नहीं है और जबकि इसके पास बि?ी की कोई नि?िचत तारीख नही है, यह शी? ही किसी सौदे पर पहुँचना चाहता है। ?म म?सिफ? लोग? का एक ही सेट है, जो बिल का भुगतान करता है और वह हम ह? टाटा ?टील यूके के चीफ ए?जी?युटिव ऑफिसर बिमले?? झा ने यूके पालिश्यामे??ी पैनेल ऑन बिजनेश, इनोवेशन ए?ड ि?क?स ने वृह?पतिवार को कहा । लाख? शेयरधारक ह? जो हमारे साथ ?लीडिंग कर रहे ह?। इसे चलाना हमारे लिए संभव नहीं है, झा ने कहा। पशन लायबिलिटी मसले का एक संक?प, जो कंपनी के लिए एक खरीददार को पाने तथा ऑपरेश?स के जीवन?म के लिए पूव?वांछित था, झा ने कहा कि कंपनी लगातार ?लीड नहीं कर सकती है, ?य?कि यह पहले ही 2 बिलियन पौ?ड को ब? खाते लिख दिया है, वष?2007 म?यूके ऑपरेश?स 6.2 बिलियन पौ?ड म?अधि?हण करने के बाद से तथा 1.5 बिलियन पौ?ड समय-

समय पर निवेश किया है। झा ने कहा कि कंपनी पशन लायबिलिटी मसले को सुलझाना चाहती है, वतमान पशनधारक? को वगैर कोई नुकसान पहुँचाये,यह सुनि?चत करने के लिए संभावित नया मालिक एक ठोस नोट के साथ शु?आतकर सके ।

?ोत : बिजनेश लाइन, 29 अ?ैल, 2016